

# राष्ट्रीय स्वरूप

www.dinakaran.in

जोति गोपाल ने बिना का पत्रकारों में जगह बनायी 40

कानपुर • गुरुवार 27 अप्रैल 2023

3

## लहसुन की कटाई एवं भंडारण एडवाइजरी जारी

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी ;बल्बद्ध फसल है देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जीए मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है। डॉक्टर राय ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है जिससे



किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है। डॉक्टर राजेश राय ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20 . 25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व

सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2 . 3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4 . 5 दिन तक रखना चाहिए इसके बाद कटे.फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए

समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। इस तरह लहसुन में भंडारण क्षमता बढ़ जाती है।

और लहसुन की गुणवत्ता बनी रहेगी। जिससे किसानों को आर्थिक लाभ होगा।



# लहसुन खुदाई से 20 से 25 दिन पहले दवा का छिड़काव करें किसान

कानपुर, 26 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है। डॉ राय ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है। जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है। डॉ राजेश राय ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20- 25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2-3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4-5 दिन तक रखना चाहिए इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। इस तरह लहसुन में भंडारण क्षमता बढ़ जाती है। और लहसुन की गुणवत्ता बनी रहेगी।



# लहसुन फसल की कटाई एवं भंडारण हेतु एडवाइजरी जारी



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है। डॉक्टर राय ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां

पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए।

उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है। जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है। डॉक्टर राजेश राय ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20-25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया

जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2 - 3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4 - 5 दिन तक रखना चाहिए इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। इस तरह लहसुन में भंडारण क्षमता बढ़ जाती है। और लहसुन की गुणवत्ता बनी रहेगी। जिससे किसानों को आर्थिक लाभ होगा।



राष्ट्रीय

# सहारा



कानपुर • बृहस्पतिवार • 27 अप्रैल • 2023

देश में लहसुन के उत्पादन में यूपी दूसरे स्थान

## अपरिपक्व लहसुन की कटाई से घट जाती है गुणवत्ता : डॉ. राजेश

पुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर लपति डॉ. विजेंद्र सिंह के निर्देश पर विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राय ने लहसुन उत्पादक किसानों के एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा है कि लहसुन की खुदाई अपरिपक्वता में न करें, अन्यथा उसकी गुणवत्ता व क्षमता कम हो जाती है और इससे उनकी आय घट जाती है।

उन्होंने एडवाइजरी जारी कर कहा कि हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण कंदी फसल है। देश में लहसुन के न में राजस्थान प्रथम और यूपी दूसरे पर है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, तथा अचार बनाने में किया जाता है। राय ने कहा कि लहसुन की खुदाई अप्रैल के मई में करके किसान भाई अप्रैल के मई में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के मई में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने

लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए



लहसुन फसल की कटाई एवं भंडारण हेतु एडवाइजरी जारी

तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है और उनकी आय में विपरीत असर पड़ सकता है।

डॉ. राय ने किसानों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के

लिए कहा। यह भी कहा कि लहसुन खुदाई से 20-25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है। लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि होती जाती है। उन्होंने कहा कि खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2-3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4-5 दिन तक रखें। इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर दें। उसके बाद समान रंग व आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के बैग्स में रखकर हवादार कमरों में रखें। इस तरह लहसुन में भंडारण क्षमता बढ़ जायेगी और लहसुन की गुणवत्ता बनी रहेगी। जिससे किसानों को आर्थिक लाभ होगा।